International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
An International Quarterly bi-lingual Multidisciplinary Double Blind Open Access Peer Reviewed Refereed Journal
ISSN:2581-9925, Impact Factor (Cosmos: 7.555 & I2OR: 5.105), Volume 08, No. 03(II), July-September, 2026, pp. 153-157

असंगठित महिला उद्यमियों की चुनौतियों: कोटा शहर के विशेष सन्दर्भ में

अस्मा बेगम[1*] | डॉ. दीपा स्वामी[2]

[1]गृह विज्ञान विभाग, राजकीय कला कन्या महाविद्यालय, कोटा, राजस्थान।
[2]प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग, राजकीय कला कन्या महाविद्यालय, कोटा, राजस्थान।

[*]Corresponding Author: varishasophia@gmail.com

Citation: बेगम, अस्मा एवं स्वामी, दीपा (2026). असंगठित महिला उद्यमियों की चुनौतियों रू कोटा शहर के विशेष सन्दर्भ में. International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science, 08(03(II)), 153–157. https://doi.org/10.62823/IJEMMASSS/8.3(II).9413

सार

भारत में महिला उद्यमिता देश के आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और सामाजिक परिवर्तन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण इंजन बन चुकी है। देश की कुल आर्थिक वृद्धि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। शोध परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि व्यवसाय प्रारंभ करते समय पूंजी एकत्रित करना सबसे बड़ी समस्या के रूप में उभरी, महिलाओं ने व्यावसायिक संचालन के दौरान लैंगिक भेदभाव का सामना करने की बात स्वीकार की। यह अध्ययन असंगठित क्षेत्र की महिला उद्यमियों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और उनकी समस्याओं के समाधान हेतु नीतिगत सुझाव प्रदान करता है। यह शोध अध्ययन कोटा शहर की असंगठित क्षेत्र की महिला उद्यमियों जिसमें 450 महिला उद्यामियों को सम्मिलित किया गया हैं। यह शोध पत्र कोटा शहर की असंगठित क्षेत्र की महिला उद्यमियों के सामाजिक परिवेश, चुनौतियों और संतुष्टि के स्तर का विश्लेषण करने के उद्देश्य से लिखा गया है।

शब्दकोश: *असंगठित महिला उद्यमी, व्यावसायिक चुनौतियाँ, पूंजी की समस्या, व्यावसायिक नौतियाँ।*

प्रस्तावना

भारत में कुल महिला कार्यबल का लगभग 90% से 94% हिस्सा असंगठित क्षेत्र में संलग्न है, जो देश की अर्थव्यवस्था में एक बहुत बड़ा योगदान देता है। भारत के सबसे बड़े राज्यों में से एक होने के नाते राजस्थान की अपनी एक अनूठी सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक आर्थिक संरचना है, जहाँ हस्तशिल्प, वस्त्र, और घरेलू उद्योगों का एक समृद्ध इतिहास रहा है। हालाँकि, एक पारंपरिक रूप से पुरुष–प्रधान और पितृसत्तात्मक सामाजिक ढांचे के कारण, राज्य में महिलाओं की भूमिका लंबे समय तक घरेलू सीमाओं तक ही सीमित रही है। इसके बावजूद, बदलते समय के साथ राजस्थान की महिलाओं ने अपनी आजीविका और आर्थिक स्वतंत्रता के लिए व्यावसायिक गतिविधियों में कदम रखना शुरू किया है, विशेषकर असंगठित क्षेत्र में उनकी भागीदारी तेजी से बढ़ रही है, जहाँ असंगठित गैर–कृषि क्षेत्र में महिला–स्वामित्व वाली उद्यम इकाइयों की हिस्सेदारी लगभग 24% से 27% के बीच है और लगभग 11.8 करोड़ से अधिक महिलाएँ उत्पादन, व्यापार और सेवा क्षेत्रों में अपने उद्यम संचालित कर रही हैं।

[*] *Copyright © 2026 by Author's and Licensed by Inspira. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

इसके बावजूद, राजस्थान की महिला उद्यमियों को अपने व्यावसायिक सफर में कई गंभीर और जटिल बाधाओं का सामना करना पड़ता है। पूंजी और वित्तीय संसाधनों की भारी कमी (जैसे कि व्यवसाय प्रारंभ करने में महिलाओं के लिए पूंजी एकत्रित करना सबसे बड़ी समस्या बनना), बैंकों से ऋण प्राप्त करने में आने वाली अड़चनें, संपत्तियों पर मालिकाना हक का अभाव और पर्याप्त तकनीकी ज्ञान की कमी उनकी प्रगति में बड़े अवरोध पैदा करते हैं। इसके अतिरिक्त, दोहरी जिम्मेदारियों (पारिवारिक दायित्वों और व्यवसाय का संतुलन) का बोझ, उचित विपणन और कच्चे माल की उपलब्धता की समस्या, तथा कई क्षेत्रों में व्याप्त लैंगिक भेदभाव (लगभग 41.11% महिलाओं द्वारा अनुभव किया गया) व सामाजिक रूढ़िवादिता उनके विकास को बाधित करती है।

कोटा शहर जैसे प्रमुख शहरी और औद्योगिक केंद्रों के विशेष संदर्भ में, असंगठित क्षेत्र की महिला उद्यमी उत्पादन, व्यापार और सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में संघर्ष करते हुए अपने उद्यम स्थापित कर रही हैं। यह अध्ययन इसी पृष्ठभूमि में कोटा शहर की असंगठित महिला उद्यमियों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों, उनके व्यावसायिक स्वरूप और विभिन्न कार्य–संचालन कारकों का मूल्यांकन करने का प्रयास करता है। अध्ययन के दौरान मुख्य रूप से यह परिकल्पना की गई है कि महिला उद्यमियों को व्यवसाय संचालन में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है (H_2)। यह शोध न केवल उनकी जमीनी वास्तविकताओं को उजागर करता है, बल्कि उन्हें एक सुदृढ़ व्यावसायिक माहौल प्रदान करने हेतु नीतिगत बदलावों की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है।

अध्ययन के लिए कोटा शहर से उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन (Purposive Sampling) विधि के माध्यम से 450 असंगठित महिला उद्यमियों (उत्पादन, व्यापार और सेवा क्षेत्र से समान रूप से) का चयन किया गया, जिनसे प्रश्नावली के माध्यम से प्राथमिक डेटा एकत्र किया गया।

शोध उद्देश्य और परिकल्पना

- **शोध उद्देश्यः** असंगठित महिला उद्यमियों के चुनौतियों का विश्लेषण करना ।
- **परिकल्पनाः** महिला उद्यमियों को चुनौतियों का अधिक सामना करना पड़ता है।

शोध विवरण

- **शोध क्षेत्रः** कोटा शहर (Kota City)
- **जनसंख्या/समष्टि (असंगठित क्षेत्र की महिला उद्यमी): 19500**
- **प्रतिदर्श का प्रकारः** इस शोध में 450 असंगठित महिला उद्यमियों का चयन असंभावना प्रतिदर्शन की उद्देश्यपूर्ण विधि का प्रयोग करके किया गया है।
- **प्रतिदर्श का आकार : 450** महिला उद्यमी
- **डेटा संग्रहण उपकरणः** इस अध्ययन में क्लोज–एंडेड प्रश्नावली का उपयोग किया गया है।

तथ्यों का संग्रहण एवं विश्लेषण

तालिका 1: समग्र उद्यम में आई चुनौतियों व समस्याओं का विवरण

चुनौतिया	बहुत ज्यादा	थोड़ी बहुत	बिलकुल नहीं
पूंजी एकत्रित करने में समस्या	208	213	29
व्यवसाय, उत्पादन, व्यवस्था सेटअप करने में समस्या	135	292	23
परिवारिक असहमति / असहयोग होना	72	354	24
दोहरी जिम्मेदारियों को निभाना	93	244	113
व्यवसाय के लिए उपयुक्त स्थान न मिलना	82	344	24
माल मिलने की उपलब्धता में कमी होना	58	236	156
माल की कीमतों में उतार–चढ़ाव होना	75	218	157
अच्छा कर्मचारी मिलने में कठिनाई	71	348	31

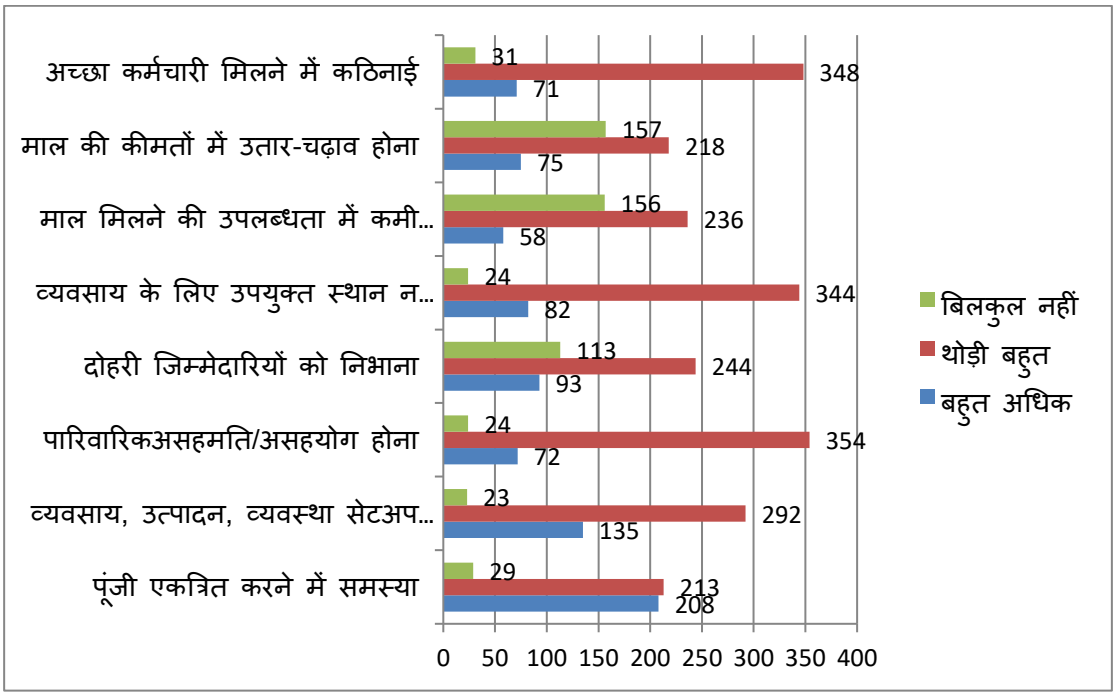

चित्र 1: समग्र उद्यम में आई चुनौतियों व समस्याओं का विवरण

तालिका संख्या 1 के अनुसार पूँजी जुटाने को सबसे गंभीर बाधा के रूप में उजागर करता है, जिसमें 208 उत्तरदाताओं ने इसे 'बहुत अधिक' और 213 ने 'कुछ हद तक' सामना किया है। परिचालन सेटअप और पारिवारिक / दोहरी जिम्मेदारियाँ मुख्य रूप से मध्यम बाधाओं के रूप में कार्य करती हैं, जिन्हें क्रमशः 292 और 354 उत्तरदाताओं द्वारा उद्धृत किया गया है। इस बीच, सामग्री की उपलब्धता और मूल्य उतार–चढ़ाव एक महत्वपूर्ण खंड (क्रमशः 156 और 157 उत्तरदाताओं) के लिए मामूली या कोई बाधा नहीं प्रस्तुत करते हैं।

परिकल्पना

H0: महिला उद्यमियों को चुनौतियों का अधिक सामना नहीं करना पड़ता है।

H1: महिला उद्यमियों को चुनौतियों का अधिक सामना करना पड़ता है।

T-Test

तालिका 2: परिकल्पना टी – परीक्षण मूल्यांकन

समस्या के प्रकार	बहुत ज्यादा	थोड़ी बहुत	बिलकुल नहीं	Mean	SD (s)	t-Stat	t-Table (Crit.)	Exact p-Value (Right-tailed)	Results
पूंजी एकत्रित करने में समस्या	208	213	29	2.398	0.608	13.886	1.648	4.99×10^{-37}	Reject H0 (Sig.)
व्यवसाय, उत्पादन सेटअप करने में समस्या	135	292	23	2.249	0.538	9.807	1.648	5.27×10^{-21}	Reject H0 (Sig.)
पारिवारिक असहमति/असहयोग	72	354	24	2.107	0.45	5.03	1.648	3.56×10^{-7}	Reject H0 (Sig.)

दोहरी जिम्मेदारियों को निभाना	93	244	113	1.956	0.676	-1.395	1.648	0.918	Fail to Reject H0
व्यवसाय के लिए उपयुक्त स्थान न मिलना	82	344	24	2.129	0.468	5.837	1.648	5.10×10^{-9}	Reject H0 (Sig.)
माल उपलब्धता में कमी	58	236	156	1.782	0.655	-7.053	1.648	0.99	Fail to Reject H0
माल की कीमतों में उतार–चढ़ाव	75	218	157	1.818	0.695	-5.56	1.648	0.99	Fail to Reject H0
अच्छा कर्मचारी मिलने में कठिनाई	71	348	31	2.103	0.478	4.6	1.648	$2.74x10^{-6}$	Reject H0 (Sig.)
समग्र औसत/कुल	794	2249	557	2.066	0.609	6.485	1.645	$5.05x10^{-11}$	Reject H0 (Sig.)

दाँये–पच्छ (Right-Tailed) t–परीक्षण के परिणामों के आधार पर 450 महिला उद्यमियों से प्राप्त आंकड़ों में पाया गया कि पूंजी एकत्रित करने में समस्या (t = 13-886, p < 0-001), व्यवसाय–उत्पादन सेटअप करने में समस्या (t = 9-807, p < 0-001), पारिवारिक असहमति/असहयोग (t = 5-030, p < 0-001), व्यवसाय के लिए उपयुक्त स्थान न मिलना (t = 5-837, p < 0-001) तथा अच्छे कर्मचारी मिलने में कठिनाई (t = 4-600, p < 0-001) के लिए प्राप्त t–मान संबंधित क्रांतिक t–मान 1.648 से अधिक हैं और इनके p–मान 0.05 से कम हैं। अतः इन चुनौतियों के संबंध में H_0 को अस्वीकार किया जाता है।

इसके विपरीत, **दोहरी जिम्मेदारियां निभाना** (t = -1-395, p = 0-918), **माल की उपलब्धता में कमी** (t = -7-053, p = 0-99) तथा **माल की कीमतों में उतार–चढ़ाव** (t = -5-560, p ≈ 1-00) के लिए p–मान 0.05 से अधि हैं। इसलिए इन मामलों में H_0 **को अस्वीकार करने के लिए पर्याप्त सांख्यिकीय प्रमाण नहीं मिलता**।

समग्र से, Overall Paired Comparison में t = 6.485, जो क्रांतिक मान 1.645 से अधिक है तथा $p = \mathbf{5.05 \times 10^{-11}}$ए जो 0.05 से बहुत कम है। अतः समग्र स्तर **पर H_0 को अस्वीकार किया जाता है और H_1 को समर्थन मिलता है।** इसका अर्थ है कि अध्ययन में सम्मिलित महिला उद्यमियों द्वारा बताई गई चुनौतियों का **समग्र औसत स्तर परीक्षण मान से सांख्यिकीय से अधिक पाया गया**। विशेष से पूंजी जुटाना, व्यवसाय–उत्पादन सेटअप, पारिवारिक असहमति, उपयुक्त स्थान की उपलब्धता और कुशल/अच्छे कर्मचारियों की उपलब्धता से संबंधित चुनौतियां दाँये–पच्छ परीक्षण में सांख्यिकीय से महत्वपूर्ण पाई गई हैं।

निष्कर्ष

कोटा शहर के असंगठित क्षेत्र की महिला उद्यमियों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों, उनके व्यावसायिक स्वरूप और विभिन्न कार्य–संचालन कारकों का गहन मूल्यांकन करने के उद्देश्य से संचालित किया गया था। अध्ययन के निष्कर्षों और सांख्यिकीय विश्लेषण से यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित होता है कि कोटा शहर की असंगठित महिला उद्यमियों को अपने व्यावसायिक सफर में कई गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिसमें पूंजी एकत्रित करना सबसे बड़ी और मुख्य समस्या के रूप में उभरी है। इसके अतिरिक्त, व्यवसाय एवं उत्पादन सेटअप स्थापित करना, उपयुक्त व्यावसायिक स्थान का अभाव, कच्चे माल की उपलब्धता में कमी तथा अच्छे कर्मचारियों का चयन जैसी व्यावहारिक कठिनाइयाँ भी उनके विकास में बड़े अवरोध पैदा करती हैं। समग्र टी–परीक्षण विश्लेषण शून्य परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है। यह दर्शाता है कि औसतन, महिला उद्यमी परीक्षण सीमा की तुलना में काफी अधिक स्तर की चुनौतियों का सामना करती हैं।

यह शोध अध्ययन इस बात को रेखांकित करता है कि वित्तीय संसाधनों की कमी, दोहरी जिम्मेदारियों के बोझ और प्रबंधकीय कठिनाइयों के बावजूद कोटा शहर की असंगठित महिला उद्यमी संघर्षरत हैं, और उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए वित्तीय संस्थानों द्वारा आसान शर्तों पर ऋण, तकनीकी प्रशिक्षण तथा अनुकूल व्यावसायिक परिवेश का निर्माण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। अंततः, कोटा शहर की असंगठित महिला उद्यमी इन सभी चुनौतियों के बावजूद अपने उद्यमों को संचालित करने में जुटी हैं, और यदि इन्हें समय पर उचित नीतिगत सहायता और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, तो यह क्षेत्रीय आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन में और अधिक प्रभावशाली योगदान दे सकती हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अगुइनिस, एच. (2025). शोध पद्धतिः कठोर, विश्वसनीय, और प्रभावशाली शोध के लिए सर्वोत्तम प्रथाएं. सेज पब्लिकेशन्स.
2- कपूर, ग., एवं कौर, स. (2022). जयपुर की महिला उद्यमियों में सामाजिक–जनसांख्यिकीय और उद्यम स्तर की विविधता. रजस्थान स्टडीज इन बिजनेस, 5(1), 14-29.
3. कुमार, सुरेंद्र, रघुवंशी, अन्विता, मैंदोला, स्नेहा, एवं चौधरी, अनिल. (2021). राजस्थान की महिला उद्यमियों को प्रभावित करने वाले कारकः पायलट अध्ययन. जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 11(4), 101-117.
4- कुमारी, ए., एवं ठाकरे, आर. (2024). महिला उद्यमिता में सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाओं का अध्ययन. जर्नल ऑफ महिला अध्ययन, 12(3), 45-60.
5. कुमावत, स., एवं अग्रवाल, अ. (2023). राजस्थान में महिला उद्यमियों की सामाजिक–सांस्कृतिक, आर्थिक और तकनीकी चुनौतियाँ. इंडियन जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप, 8(2), 22-38.
6. क्रेसवेल, जे. डब्ल्यू., और क्रेसवेल, जे. डी. (2023). शोध रूपरेखाः गुणात्मक, मात्रात्मक, और मिश्रित विधियों के दृष्टिकोण (६वां संस्करण). सेज पब्लिकेशन्स.
7. चव्हाण, विभावरी एम. (2016). महिला उद्यमिताः प्रेरणा और चुनौतियाँ. जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, 7(2), 55-70.
8. फोर्ब्स इंडिया। (2021)। 30 के तहत महिला उद्यमियों की पहचान। भारत।
9. बीबीसी समाचार। (2021)। विश्व की 100 प्रभावशाली महिलाओं की सूची। यूनाइटेड किंगडम।
10. बोसी, किट यिन. (2017). सिंगापुर में महिला उद्यमिता की सफलता के कारण. एशियन जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप, 3(1), 8-19.
11. मेन्स्ट्रुपीडिया वेबसाइट। (2019)। मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता पहल। भारत।
12. यादव, एस. एस., गुप्ता, एस., और चौधरी, ए. के. (2025). वैज्ञानिक शोध पद्धतिः सिद्धांत, उपकरण, और तकनीक (१ला संस्करण). सीआरसी प्रेस. https://doi.org/10.1201/9781003664871
13. रामनाथन, पी., कैश, एम., कोलावेन्नु, एस., और वेलायुथम, एस. (2025). शोध पद्धतिः तकनीक और रुझान. बीआर पब्लिकेशन्स.
14. श्रीवास्तव, के., पडेगांवकर, के., रविकुमार, एस., और हरिता, पी. (2025). शोध पद्धतिः उपकरण और तकनीक. एडिशन पब्लिशर.

❑❑❑